आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 03.06.2026 समय : 0705

<><><><><><><><>

1. श्री रवीन्द्र सिंह यादव ने अंडमान निकोबार पुलिस के नए पुलिस महानिदेशक का पदभार ग्रहण किया। कहा जनता का विश्वास ही प्रभावी पुलिसिंग की नींव है।
2. नेताजी सुभाष चंद्र बोस उच्च शिक्षण संस्थान की शैक्षणिक परिषद की पहली बैठक में शैक्षणिक योजना, और संस्थान को मजबूत बनाने पर चर्चा की गई।
3. दस्तावेजी विरासत को संरक्षित करने के लिए अभिलेखागार विभाग ने डिजिटलीकरण पहल को लागू किया।
4. कृषि विभाग ने किसानों से वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए ई–केवाईसी 30 जून तक पूरा करने को कहा।

<><><><><><><><>

अंडमान निकोबार पुलिस की ओर से पुलिस लाइन परेड मैदान में औपचारिक परेड का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नए पुलिस महानिदेशक रवीन्द्र सिंह यादव, का औपचारिक स्वागत किया गया। इस परेड में कार्यकारी पुलिस, भारतीय आरक्षित वाहिनी, अग्नि एवं आपातकालीन सेवाएँ, और होमगार्ड संगठन का प्रतिनिधित्व करने वाली सात टुकड़ियों ने हिस्सा लिया। परेड का नेतृत्व पुरुष ब्रास बैंड और महिला पाइप बैंड की धुनों के साथ, आईआरबीएन के सहायक कमांडेंट नवीन कुमार ने किया। इस अवसर पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य कर्मी मौजूद थे। पुलिस महानिदेशक ने अपने संबोधन में सभी पुलिसकर्मियों से आम जनता के प्रति संवेदनशील रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास ही प्रभावी पुलिसिंग की नींव है, जिसे केवल निरंतर व्यावसायिकता, ईमानदारी और जवाबदेही के माध्यम से ही हासिल किया जा सकता है।

<><><><><><><><>

इस बीच, पुलिस महानिदेशक का पदभार संभालने के बाद, रवीन्द्र सिंह यादव, ने कल लोक निवास में उपराज्यपाल सेवानिवृत्त एडमिरल डी के जोशी से शिष्टाचार भेंट की।

<><><><><><><><>

नेताजी सुभाष चंद्र बोस उच्च शिक्षा संस्थान की शैक्षणिक परिषद की पहली बैठक कल सचिवालय में आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने की। इस बैठक में

परिषद के सदस्यों ने शैक्षणिक योजना, नियमों और संस्थान को मजबूत बनाने पर विस्तृत चर्चा की। परिषद ने यूजीसी और संबंधित वैधानिक नियामक प्राधिकरण के मानदंडों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए संस्थान के शैक्षणिक और परीक्षा नियमों को मंजूरी दी। इसके अलावा पाठ्यक्रम के संचालन और मूल्यांकन को सुव्यवस्थित करने के लिए शैक्षणिक योजना और निगरानी के ढांचे को अंतिम रूप दिया गया। शैक्षणिक परिषद ने कहा कि शैक्षणिक वर्ष 2026–27 से विश्वविद्यालय के तहत आने वाले सभी घटक कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि द्वीप समूह में उच्च शिक्षा के एक प्रमुख और शीर्ष संस्थान के रूप में विश्वविद्यालय को स्थापित करने के लिए शिक्षा के स्तर को बनाए रखने हेतु सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है।

<><><><><><><>

एक भारत श्रेष्ठ भारत पहल के हिस्से के रूप में और गृह मंत्रालय के निर्देशों के अनुपालन में, कल लोक निवास में गुजरात, महाराष्ट्र, सिक्किम, गोवा और तेलंगाना का स्थापना दिवस मनाया गया। इस विशेष कार्यक्रम में द्वीप समूह में रह रहे इन राज्यों के मूल निवासियों ने भाग लिया। इस अवसर पर इन प्रदेशों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, इतिहास, उपलब्धियों और अनूठी परंपराओं को दर्शाने वाली एक लघु वृत्तचित्र फिल्म दिखाई गई।

<><><><><><><>

केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान, दक्षिण अंडमान, मध्योत्तर अंडमान और कार निकोबार के कृषि विभाग और केंद्र शासित प्रदेश कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी के सहयोग से खेत बचाओ अभियान की शुरुआत की गई। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर किसानों में जागरूकता और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना है। इसके तहत मृदा परीक्षण, संतुलित उर्वरकों का उपयोग और सरकारी योजनाओं की जानकारी देना है। इसके लिए आउटरीच कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित बनाने के लिए एक रोडमैप तैयार किया गया है। इस अभियान का उद्घाटन नमुनाघर, में आयोजित किया गया।

<><><><><><><>

दस्तावेजी विरासत को संरक्षित करने और ऐतिहासिक रिकॉर्ड को बनाए रखने के लिए अंडमान निकोबार अभिलेखागार ने बड़े पैमाने पर डिजिटलीकरण पहल को लागू किया है। इसके साथ ही, अभिलेख पटल पोर्टल पर अपना समर्पित उप–अध्याय भी लॉन्च किया है। विभाग ने 10,040 अभिलेखीय फाइलें अपलोड की है, जिसकी कुल पृष्ठ संख्या 6,05,101 है। उपयोगकर्ताओं की सुविधा के लिए, विभाग ने इस

डिजिटल संग्रह को विषय–वार श्रेणियों में व्यवस्थित किया है। ये दस्तावेज द्वीप समूह के प्रशासनिक, सामाजिक और ऐतिहासिक विकासक्रम की मूल्यवान झलक पेश करते हैं। यह डिजिटल संग्रह अभिलेखागार विभाग के उप–अध्याय ansa.abhilekh-patal.in पर उपलब्ध है।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत सभी लाभार्थियों से अपनी वित्तीय सहायता जारी रखने के लिए कृषि विभाग की ओर से वित्तीय वर्ष 2026–27 का वार्षिक बायोमेट्रिक ई–केवाईसी पूरा करने का आग्रह किया है। भारत सरकार ने वार्षिक ई–केवाईसी पूरा करना अनिवार्य कर दिया है। जिन लाभार्थियों ने पहले ई–केवाईसी पूरा कर लिया था, उन्हें भी वर्ष 2026–27 के लिए इस वार्षिक ई–केवाईसी प्रक्रिया को पूरा करना आवश्यक है। ई–केवाईसी प्रक्रिया को पूरा करने की अंतिम तिथि 30 जून है। योजना के तहत, पात्र किसान परिवारों को प्रति वर्ष 6 हजार रूपये की वित्तीय सहायता दी जाती है, जो हर चार महीने में 2 हजार रूपये की तीन समान किश्तों में सीधे बैंक खाते में भेजी जाती है। भारत सरकार अब तक देश भर के किसानों को सफलतापूर्वक 22 किश्तें जारी कर चुकी है। किसान सामान्य सेवा केंद्र और अपने क्षेत्रीय कृषि कार्यालय में ई–केवाईसी प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए संबंधित कृषि कार्यालयों से संपर्क किया जा सकता है।

<><><><><><><>

ESIC शिक्षण संस्थानों में बीमाकृत व्यक्ति के वार्ड के लिए यूजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन की तिथियों में संशोधन किया गया है। ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि अब 21 जून मध्य रात्रि तक है। संबंधित ईएसआईसी क्षेत्रीय/उप–क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा बीमाकृत व्यक्ति के वार्ड का प्रमाणपत्र जारी करने की अंतिम तिथि 24जून निर्धारित की गई है।

<><><><><><><>

स्वास्थ्य सेवा निदेशालय की ओर से द्वीप समूह में विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। विभिन्न विषयों में अनुबंध के आधार पर एक वर्ष की अवधि के लिए 32 विशेषज्ञों को नियुक्ति पत्र जारी किए गए हैं। वर्तमान में, नियमित और संविदात्मक दोनों नियुक्तियों को मिलाकर 27 विशेषज्ञ पूरे द्वीप समूह में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। स्वास्थ्य सेवा वितरण में और सुधार लाने के लिए निदेशालय ने जिला अस्पताल, गाराचरमा, डॉ. आर.पी. अस्पताल, मायाबंदर और बीजेआर अस्पताल,

कार निकोबार में सेवाओं को मजबूत करने के उपाय किए हैं, ताकि स्थानीय लोगों को उनके घर के नजदीक ही विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं मिल सके।

<><><><><><><>

दीनदयाल अंत्योदय योजना– राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तत्वावधान में, FNHW पहल के माध्यम से हाल ही में छोलदारी सामुदायिक भवन में दंत और नेत्र स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। 'संसार विलेज ऑर्गेनाइजेशन और लीला कृष्णा क्लस्टर कोऑर्डिनेटर की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण समुदाय के बीच निवारक स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देना और विशिष्ट चिकित्सा सेवाओं तक उनकी पहुंच को आसान बनाना था। शिविर में दंत स्वच्छता विशेषज्ञ डॉ. अलका शर्मा, नेत्र रोग विशेषज्ञ टी सेल्वम, डॉ. वी यशवंत शिवा और डॉ. वैष्णवी लाल ने अपनी सेवाएं दीं। विशेषज्ञों ने समग्र स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए नियमित रूप से दांतों और आंखों की जांच कराने के महत्व पर विशेष जोर दिया।

<><><><><><><>